मॉनसून में बिजली से सावधानी बरतें

- **बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने किए पुख्ता इंतजाम**

नई दिल्लीः 8 जुलाई, 2012। दिल्ली में मॉनसून दस्तक दे चुका है। ऐसे में, बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं से अपील करती हैं कि बच्चों को ऐसी जगहों पर न खेलने दें, जहां पानी जमा हो। साथ ही, भीगे हाथों से किसी भी बिजली उपकरण को न छुएं। अपने घर के सभी प्लग पॉइंट्स को इलेक्ट्रिशियन से चेक करवाएं, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बीएसईएस कंपनियों ने घर में टेस्टर रखने की भी सलाह दी है।

बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को सुरक्षित बिजली आपूर्ति मुहैया कराने के लिए तमाम प्रयास कर रही हैं। मॉनसून के दौरान बिजली से करंट का खतरा काफी बढ़ जाता है, क्योंकि पानी और बिजली एक खतरनाक मेल हैं। पानी के साथ करंट का खतरा अचानक कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, अवैध रूप से बीएसईएस की तारों पर कटिया लगाकर की जाने वाली बिजली चोरी के कारण भी मॉनसूस में करंट का खतरा काफी बढ़ जाता है।

बीएसईएस ने नंगी तारों की जगह कवर की हुई तारें लगा दी हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ असामाजिक लोग तारों के कवर में छेद करके कटिया के सहारे बिजली चोरी कर रहे हैं। कटिया वाली ये तारे पूरी तरह से कवर नहीं होती हैं और इन्हें अच्छे तरीके से फिक्स भी नहीं किया गया गया होता है। ऐसे में जब बारिश होती है या तेज हवाएं चलती हैं, तो कटिया वाली तारें जमीन पर लटक जाती हैं और आसपास करंट फैल जाता है। ऐसे असामाजिक तत्व लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन ने दिल्ली के सभी बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि शहर को बिजली चोरों से मुक्ति दिलाकर, लागों और बच्चों के लिए सुरक्षित शहर बनाने में हमारी मदद करें। बीवाईपीएल के उपभोक्ता 399 99 808 पर बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। साथ ही, पुलिस को भी सूचित कर सकते हैं। बिजली चोरी की वजह से हमारे उपभोक्ताओं खासकर छोटे बच्चों की सुरक्षा को खतरा बढ़ता है।

बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के मुताबिक– मॉनसून में जगह जगह पानी जमा हो जाने से बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। हम उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हैं कि वे बिजली के खंभों, सब स्टेशनों, ट्रांसफॉर्मरों और स्ट्रीटलाइटों से दूर रहें। साथ ही, अपने बच्चों को भी बताएं कि इन उपकरणों के इर्द–गिर्द न खेलें, चाहे उपकरणों के चारों ओर जालियां ही क्यों न लगी हों। ये छोटे– छोटे कदम दुर्घटना–रहित मॉनसून सुनिश्ति करने में मदद करेंगे।

इस बीच, बीवाईपीएल विभिन्न सरकारी एजेंसियों से बजट की स्वीकृति के लिए भी बात कर रही है ताकि पूर्वी और मध्य दिल्ली के सभी इलाकों में नंगी तारों की जगह कवर तारें लगाई जा सकें।

बीआरपीएल के उपभोक्ता 399 99 707 पर बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। पुलिस को भी सूचित किया जा सकता है।

इधर, बीवाईपीएल की टीमें रोजाना 100 किलोग्राम बिजली की अवैध तारों को हटा रही है। इसके बावजूद असामाजिक तत्व बीएसईएस की तारों पर असावधानी के साथ कटिया लगाकर बिजली की चोरी कर रहे हैं, जिससे मॉनसून के इस मौसम में आसपास के लोगों के लिए खतरा बढ़ जाता है।

बीआरपीएल व बीवाईपीएल ने किए पुख्ता इंतजामः

मॉइश्चर यानी नमी की वजह से होने वाली परेशानियों के मद्देनजर, बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने पिछले सालों के दौरान अपने 11 केवी ग्रिड सब–स्टेशनों में ऑयल आधारित सर्किट ब्रेकरों की जगह, गैस आधारित सर्किट ब्रेकर लगा दिए हैं। प्लिंथ और पोल पर लगे ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर जाली लगा दी गई है। जिन जगहों पर जालियां टूटी हुई थीं, या नशेड़ियों ने उन्हें तोड़ डाला था, उनकी मरम्मत भी कर दी गई है। निचले इलाकों में लगे ट्रांसफॉर्मरों की ऊंचाई बढ़ाकर उन्हें भी सुरक्षित लेवल पर कर दिया गया है। ग्रिड सब स्टेशनों पर अनाधिकृत लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए गेट पर ताले जड़ दिए गए हैं। संबंधित एजेंसियों से अनुमति लेकर, बीएसईएस के आवरहेड केबल्स को छू रहे पेड़ों की टहनियों की प्रूनिंग भी कर दी गई है।

घर में जरूर रखें एक टेस्टरः

जिस तरह आम घरों में थर्मोमीटर होता है, उसी तरह हर व्यक्ति को अपने यहां एक टेस्टर जरूर रखना चाहिए। जैसे ही लगे कि घर की दीवार या स्विच गीली है, तो छूने से पहले उसे टेस्टर से जरूर चेक कर लें। मॉनसून के दौरान गीली दीवारों या स्विचों में करंट आने का खतरा रहता है। अपने घर की आंतरिक वायरिंग भी चेक करवा लें। हालांकि हमने मॉनसून के दौरान उपभोक्ताओं की सुरक्षा को देखते हुए पर्याप्त इंतजाम किए हैं, लेकिन यदि बिजली के किसी उपकरण के आसपास पानी जमा हो, तो उस पानी में न जाएं... जिंदगी ज्यादा कीमती है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।